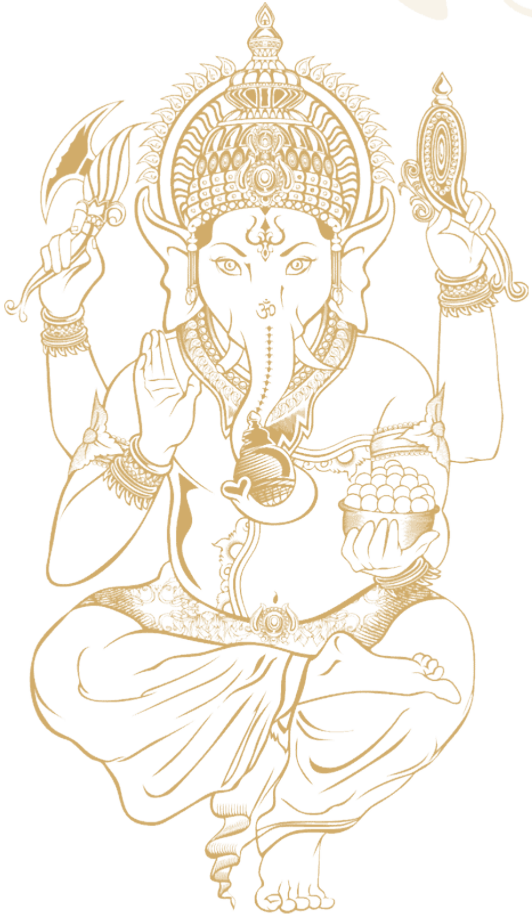

Duggu

17 Sep 2021

04:15 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb **Order No: 121678505**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/09/2021**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:15:07 घंटे**
इष्ट	25:20:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:53:59 घंटे
वेलान्तर	00:05:29 घंटे
साम्पातिक काल	15:40:21 घंटे
सूर्योदय	06:07:06 घंटे
सूर्यास्त	18:23:36 घंटे
दिनमान	12:16:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:36:38 कन्या
लग्न के अंश	18:54:48 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	18:54:48	435:21:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	00:36:38	00:58:31	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	सम राशि
चंद्र			मक	16:54:16	13:38:33	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	07:25:15	00:38:50	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	26:57:21	00:47:58	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु	व		मक	29:41:54	00:05:39	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			तुला	13:24:07	01:08:30	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	13:10:48	00:02:15	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	10:23:11	00:07:56	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	10:23:11	00:07:56	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	20:18:42	00:01:20	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	27:32:43	00:01:39	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	00:14:47	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			वृश्चि	03:12:33	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:22

लग्न-चलित

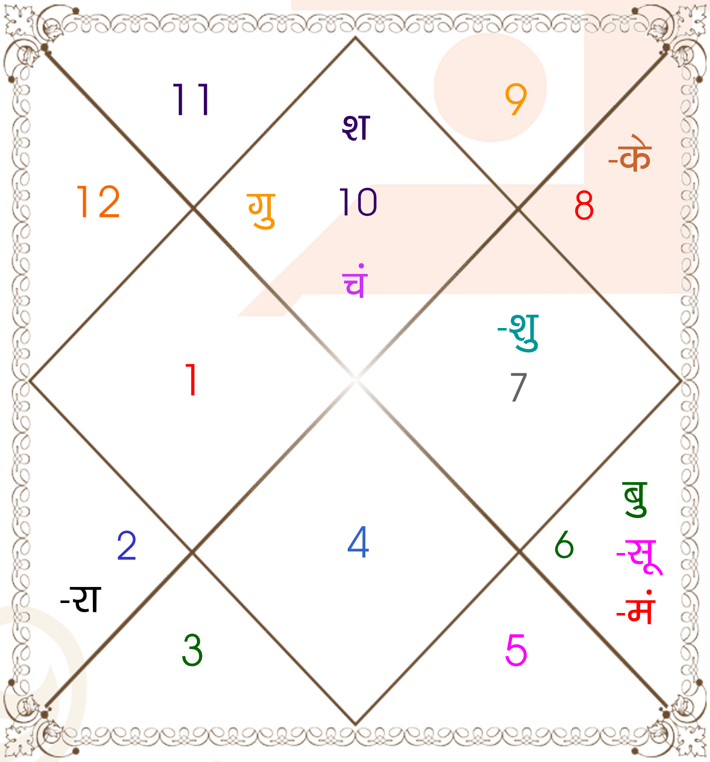

चन्द्र कुंडली

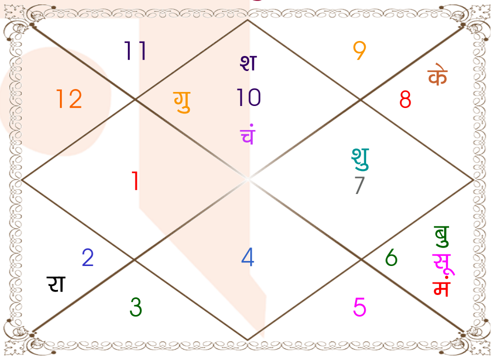

नवमांश कुंडली

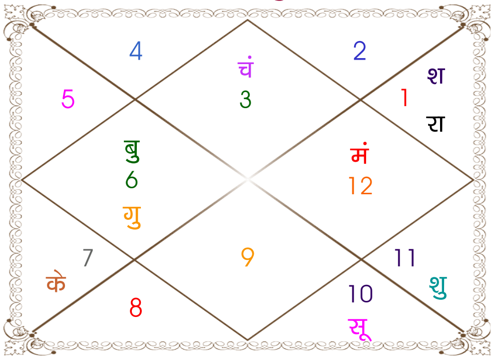

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 9 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/09/2021		14/07/2026		14/07/2033		15/07/2051		15/07/2067	
14/07/2026		14/07/2033		15/07/2051		15/07/2067		14/07/2086	
	00/00/0000	मंगल	10/12/2026	राहु	26/03/2036	गुरु	01/09/2053	शनि	17/07/2070
	00/00/0000	राहु	29/12/2027	गुरु	20/08/2038	शनि	14/03/2056	बुध	26/03/2073
	00/00/0000	गुरु	04/12/2028	शनि	26/06/2041	बुध	20/06/2058	केतु	05/05/2074
	17/09/2021	शनि	13/01/2030	बुध	13/01/2044	केतु	27/05/2059	शुक्र	05/07/2077
शनि	14/05/2022	बुध	10/01/2031	केतु	31/01/2045	शुक्र	25/01/2062	सूर्य	17/06/2078
बुध	14/10/2023	केतु	08/06/2031	शुक्र	31/01/2048	सूर्य	13/11/2062	चंद्र	16/01/2080
केतु	14/05/2024	शुक्र	07/08/2032	सूर्य	25/12/2048	चंद्र	14/03/2064	मंगल	24/02/2081
शुक्र	13/01/2026	सूर्य	13/12/2032	चंद्र	26/06/2050	मंगल	18/02/2065	राहु	01/01/2084
सूर्य	14/07/2026	चंद्र	14/07/2033	मंगल	15/07/2051	राहु	15/07/2067	गुरु	14/07/2086

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/07/2086		16/07/2103		15/07/2110		15/07/2130		15/07/2136	
16/07/2103		15/07/2110		15/07/2130		15/07/2136		00/00/0000	
बुध	10/12/2088	केतु	12/12/2103	शुक्र	14/11/2113	सूर्य	02/11/2130	चंद्र	15/05/2137
केतु	07/12/2089	शुक्र	10/02/2105	सूर्य	14/11/2114	चंद्र	03/05/2131	मंगल	14/12/2137
शुक्र	07/10/2092	सूर्य	18/06/2105	चंद्र	15/07/2116	मंगल	08/09/2131	राहु	15/06/2139
सूर्य	13/08/2093	चंद्र	17/01/2106	मंगल	14/09/2117	राहु	02/08/2132	गुरु	14/10/2140
चंद्र	13/01/2095	मंगल	15/06/2106	राहु	14/09/2120	गुरु	21/05/2133	शनि	18/09/2141
मंगल	10/01/2096	राहु	03/07/2107	गुरु	16/05/2123	शनि	03/05/2134		00/00/0000
राहु	30/07/2098	गुरु	08/06/2108	शनि	15/07/2126	बुध	10/03/2135		00/00/0000
गुरु	04/11/2100	शनि	18/07/2109	बुध	15/05/2129	केतु	16/07/2135		00/00/0000
शनि	16/07/2103	बुध	15/07/2110	केतु	15/07/2130	शुक्र	15/07/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।